भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं0 256
दिनांक 20 मार्च, 2017

रणनीतिक पेट्रोलियम भण्डार

*256. डॉ॰ किरिट पी॰ सोलंकीः
श्री आर॰ ध्रुवनारायणः

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विभिन्न तेल विपणन कंपनियों की मौजूदा तेल भण्डारण क्षमता और आपातकालीन भण्डारण के रूप में मांग को पूरा करने के लिए उनके उपयोग का ब्यौरा क्या है और देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भण्डार की भण्डारण क्षमता को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव है;
(ख) ऐसे भण्डारों को कब तक भरे जाने की संभावना है और आपातकालीन स्थिति में इन भण्डारों से कितने दिनों तक तेल की मांग पूरी किए जाने की संभावना है;
(ग) क्या भारत को पूर्वोक्त रणनीतिक भण्डारण को भरने के लिए इसका पहला ईरानी पार्सल प्राप्त हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने मंगलुरु और देश के अन्य कुओं पर भूमिगत कच्चा तेल भण्डारण सुविधा की पूर्ति करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात और अन्य मध्य पूर्व के देशों सहित खाड़ी देशों के साथ किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त कुओं को भरने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं और इस संबंध में देश/कंपनी-वार कितना व्यय किया गया है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (ड.): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"रणनीतिक पेट्रोलियम भण्डार" के संबंध में संसद सदस्य डॉ॰ किरिट पी॰ सोलंकी तथा श्री आर॰ ध्रुवनारायण द्वारा पूछे गए दिनांक 20 मार्च, 2017 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 256 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख): मंत्रालय द्वारा गठित कार्यकारी दल द्वारा तैयार किए गए दृष्टिकोण पत्र के अनुसार भारत में कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और गैस के अनुमानित वाणिज्यिक भंडार के आधार पर 63 दिनों का मौजूदा भंडारण है। प्रथम चरण के तहत, सरकार ने विशेष उद्देश्य से सृजित कंपनी अर्थात इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लि0 (आईएसपीआरएल) के माध्यम से 3 स्थलों अर्थात विशाखापत्तनम, मंगलुरू और पादूर में कुल 5.33 एमएमटी की क्षमता के कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) सुविधाओं का निर्माण किया है। विशाखापत्तनम और मंगलुरू भंडारण सुविधाओं को पहले ही चालू कर दिया गया है। सरकार ने विशाखापत्तनम भंडारण सुविधा को पूरा और मंगलुरू सुविधा को आधा भर दिया है। वर्तमान में यह अनुमान है कि एसपीआर के प्रथम चरण के कुल 5.33 एमएमटी के भंडार से वर्ष 2015-16 की खपत के अनुसार भारत की कच्चे तेल की लगभग 10.5 दिनों की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। चरण 2 के तहत, ओडिशा के चंडीखोल और राजस्थान के बीकानेर में अतिरिक्त 10 एमएमटी एसपीआर सुविधाओं को स्थापित करने का प्रस्ताव है।

(ग): मंगलुरू में स्थित एसपीआर सुविधा के पहले खंड को भरने के लिए ईरानी कच्चे तेल की पहली खेप अक्तूबर, 2016 में प्राप्त हो गई थी।

(घ) और (ड.): मंगलुरू एसपीआर सुविधा में स्थित दूसरी कंदरा को भरने के लिए आईएसपीआरएल और यूएई की आबूधाबी राष्ट्रीय तेल कंपनी (एडीएनओसी) के बीच तेल भंडारण और प्रबंधन संबंधी सुस्पष्ट करार पर 25 जनवरी, 2017 को हस्ताक्षर किए गए थे। विशाखापत्तनम में एसपीआर सुविधा को कच्चे तेल से पहले ही भर दिया गया है जिसकी लागत 2521 करोड़ रुपए है और मंगलुरू में स्थित कंदराओं में से एक कंदरा को भी 1737 करोड़ रुपए की लागत से भर दिया गया है।

******